भारत - हैती संबंध

राजनीतिक संबंध :

भारत और हैती के बीच मित्रवत संबंध रहे हैं, हालांकि दोनों देशों के बीच परस्पर संवाद सीमित रहा है। भारत ने हैती के साथ 27 सितंबर, 1996 में राजनयिक संबंध स्थापित किए। किंगस्टन में हमारे उच्चायोग को हैती की भी समवर्ती रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। वर्ष 2003 के उत्तरार्ध से, हैती की जिम्मेदारी भारतीय दूतावास, हवाना को अंतरित कर दी गई है। पोर्ट आऊ प्रिंस में भारत के एक मानद वाणिज्य दूत (कौंसल) हैं। हैती ने अक्टूबर 2014 में नई दिल्ली में एक कांसुल जनरल की नियुक्ति की।

2. विदेशी कार्यालय परामर्श के लिए 31 मई, 2001 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारत ने हैती के साथ राजनयिक संबंध स्थापित होने से पहले ही हैती की आवश्यकताओं के प्रति अपने सरोकार व्यक्त किए थे। इसने सयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में अगस्त 1995 में शांति मिशन पर एक 140 सदस्यीय सी आर पी एफ टीम को हैती के लिए भेजा था। पुलिस संरक्षण प्रदान करने और कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने में भारतीय सैन्य टुकड़ी की भूमिका काफी सराहनीय रही है।

3. अक्टूबर, 2008 में, भारत के 140 सदस्यीय गठित पुलिस इकाई (एफ पी यू) ने हैती में एक सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में सहायता करने हेतु हैती में संयुक्त राष्ट्र स्थायीकरण मिशन (एम आई एन यू एस टी ए एच) का हिस्सा बन गया। अब एम आई एन यू एस टी ए एच के अंग के रूप में बी एस एफ, सी आई एस एफ और असम राइफल्स से चुने गए जवानों की 3 यूनिटें (लगभग 500 कार्मिक) हैं। शांति को मजबूत करने के लिए हैती सरकार की मदद करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हैती में संयुक्त राष्ट्र स्थायीकरण मिशन (एम आई एन यू एस टी ए एच) के अधिदेश को 15 अक्टूबर 2016 तक के लिए बढ़ा दिया है।

4. फिक्की - एल ए सी गोष्ठी में भाग लेने के लिए हैती की आर्थिक एवं वित्त मंत्री सुश्री कारमेल्ली जीन मैरी ने 14 से 17 अक्टूबर 2014 तक भारत का दौरा किया तथा माननीया उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन एवं सचिव (ई आर) से मुलाकात की। "तीसरी वैश्विक कार्रवाई आह्वान शिखर बैठक" में भाग लेने के लिए हैती की स्वास्थ्य मंत्री डा. मैरी एल फ्लोरेंस ड्यूपेरवाल ने 25 से 29 अगस्त, 2015 के दौरान दिल्ली का दौरा किया।

उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से भी मुलाकात की जहां उन्होंने अन्य बातों के साथ हैती के स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत से सहयोग की मांग की। आई बी एस ए त्रिपक्षीय पहल के तहत, हैती में एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना की दिसंबर, 2007 में शुरूआत की गई। इस परियोजना का प्रयोजन लोगों के लिए रोजगार का सृजन करना है और यह सामान्य रूप से आई बी एस ए दिशा-निर्देशों तथा विशेष रूप से दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारतीय उद्देश्यों के अनुरूप है। हैती की जनता को आश्रय, पेयजल तथा स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, भारत आई बी एस ए, भारत - ब्राजील दक्षिणी अफ्रीका, न्यास निधि की हैती में अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना के साथ, विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों के निपटान के इसके कवरेज एवं सीमा दोनों क्षेत्रों में जुड़ गया। आई बी एस ए अपने इस प्रयास के लिए और हैती में समुदाय स्वास्थ्य केंद्र के पुनर्निर्माण हेतु 2 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च कर रहा है।

वाणिज्यिक संबंध :

5. भारत का हैती के साथ बड़ा व्यापार नहीं है लेकिन इस देश के लिए भारतीय निर्यात की मात्रा पिछले वर्षों में काफी बढ़ी है। भारत-हैती के बीच का अद्यतन व्यापारिक आंकड़ा निम्नवत है:-

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

क्र. सं.	वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
1.	**निर्यात**	60.53	48.30	63.69	59.21	85.45
2.	**आयात**	1.33	1.97	1.32	0.95	1.57
3.	**कुल व्यापार**	61.87	50.26	65.01	60.17	87.02
4.	**व्यापार संतुलन**	59.20	46.33	62.36	58.26	83.88

स्रोत : वाणिज्य विभाग, वाणिज्य मंत्रालय

6. निर्यात किए जाने वाले प्रमुख भारतीय उत्पादों में औषधीय वस्तुएं, वस्त्र, रबर के उत्पाद, प्रसाधन एवं प्लास्टिक तथा लिनोलियम के उत्पाद आते हैं। इस क्षेत्र में, विशेषकर दवाओं एवं औषधीय उत्पादों के क्षेत्र में और अधिक संवृद्धि होने की संभावना है। एंट्री - रेट्रोवायरल दवाओं की विनिर्माणकर्ता भारतीय कंपनियों का हैती में अपना बाजार है। एड्स इत्यादि के इलाज के लिए भारतीय दवाओं का लागत प्रतिस्पर्धी स्वरूप उल्लेखनीय रहा है। भारत ने सर्वाधिक कम

विकसित देश के प्रति अपने विशेष सरोकार के नाते हैती देश के उत्पादों को शुल्क (ड्यूटी) मुक्त कर दिया है।

7. **आई टी ई सी :** भारत आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत हैती को सहायता प्रदान करता रहा है। इसकी शुरूआत 2006-07 में एक स्लॉट से हुई, जो 2015-16 के लिए बढ़कर 10 हो गया है। हैती के राजनयिक "विदेशी राजनयिक हेतु पेशेवर पाठ्यक्रम" (पी सी एफ डी) का भी नियमित अंतराल पर लाभ उठा रहे हैं। हैती की चार अशिक्षित महिलाओं ने सौर ऊर्जा का उपयोग करने के बारे में राजस्थान में बेयरफूट कॉलेज में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

8. **आपदा राहत :** भारत ने मित्रता के नाते, चार हरीकेन तूफानों फे, हन्ना, गस्ताव तथा आईके के द्वारा किए जाने वाले विध्वंस के बाद हैती को आपदा राहत सहायता के रूप में दस मिलियन रूपए की नकद राशि प्रदान की है। भारत ने नवम्बर, 2007 में नोएल हरीकेन के द्वारा की गई बर्बादी एवं क्षति से उबरने के लिए हैती को मानवीय आधार पर 50000 अमरीकी डॉलर की राशि के मूल्य की दवाइयां दान की थीं। जनवरी, 2010 में 5 मिलियन अमरीकी डॉलर की दूसरी राहत सहायता प्रदान की गई। वर्ष 2011 तक तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष 5,00,000 अमेरीकी डॉलर की राहत राशि भी प्रदान की गई है। भारत ने जनवरी, 2010 में भूकंप से ध्वस्त हो गए मुख्य कार्यालय भवन का पुन: निर्माण कराने की पेशकश की थी। नए राष्ट्रपति ने अनुरोध किया कि सरकारी भवन का पुनर्निर्माण करने की जगह आवासी यूनिटों का भारत निर्माण करे। तदनुसार, एक गांधी आवास गांव का निर्माण करने के लिए 5 मिलियन अमरीकी डॉलर की नकद सहायता दी गई थी। 12 जनवरी, 2010 के भूकंप के बाद राज्य मंत्री (एस टी) डा. शशि थरूर, जिन्होंने 23 जनवरी, 2010 को पोर्ट आऊ प्रिंस का दौरा किया, ने इस सहायता की घोषणा की थी।

भारतीय समुदाय :

9. हैती में भारतीय समुदाय काफी छोटा है। इसमें लगभग 70-80 लोग हैं। इनमें से लगभग सभी के पास भारतीय पासपोर्ट है। इनमें से अनेक पेशेवर - डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीशियन हैं। कुछ निजी व्यवसाय धातु कतरन (स्क्रैप) व्यापार से जुड़े हैं। इनमें से कुछ पूरोहित हैं और लगभग 15 से 20 सिस्टर चैरिटी के लिए काम करती हैं। वर्ष 2008 से संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापक बल (एम आई एन यू एस टी ए एच) के तहत 500 भारतीय कार्मिकों वाले तीन पुलिस यूनिट हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, हवाना की वेबसाइट :
http://eoi.gov.in/havana
भारतीय दूतावास, हवाना का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/indianembassyhavana
भारतीय दूतावास, हवाना का ट्विटर लिंक :
@EOIHavana

***

जनवरी, 2016